



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

विशेषांक
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (१)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्रधानमंत्री द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 345] नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 30, 1989/आवाद 9, 1911

No. 315] NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 30, 1989/ASADHA 9, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ तंत्रणा दो आती हैं जिससे यह यह अवाद संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त भवालय

(राजस्व विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जून, 1989

म. 32/89-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.)

सा.का.नि. 660(अ) :—केन्द्रीय सरकार का समावाल हो गया है कि उस प्रथा के अवृत्तार, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के प्रधीन उत्पाद-शुल्क के उत्पत्ति की वार्षिक (जिसके प्रन्तरीत उमका उद्याहण न किया जाना भी है) साधारणतया प्रचलित थी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ईरिक प्रधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रन्तरीती के अव्याय 25 या अव्याय 28 या अव्याय 38 के प्रन्तरीत दाने

बाले शोरे पर उत्ताद-गुल्क 28 फावरी, 1986 को मारम्भ होने वाली और 5 अक्टूबर, 1988 को समाप्त होने वाली अधिकारी के द्वारा उत्तम धारा 3 के अधीन उद्ग्रहण नहीं किया जा रहा था;

और ऐसे शोरे पर विशेष उत्ताद-गुल्क पूर्वोक्त अधिकारी के द्वारा ऐसे शुल्क के उद्ग्रहण से संबंधित सुनिश्चित विधि के अधीन भी उद्ग्रहण नहीं किया जा रहा था;

मत., अब, केन्द्रीय सरकार, प्रथम वर्षित अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त प्रया के न होने पर ऐसे शोरे पर उत्तम विधि के अधीन प्रथम वर्षित अधिनियम के अधीन संदेश या यास्तिक्ति संपूर्ण उत्ताद-गुल्क और विशेष-उत्ताद गुल्क ऐसे शोरे की आवत संदाय किया जाना अनिवार्य नहीं होगा, जिस पर उत्तम उत्ताद-गुल्क और विशेष उत्ताद-गुल्क उत्तम प्रया के अनुसार पूर्वोक्त अधिकारी के द्वारा उद्ग्रहण नहीं किए जा रहे थे।

[फा. सं. 107/6/88-सी. एक्स. 3]

एस. सी. जाना, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th June, 1989

No. 32/89-CENTRAL EXCISES (N. T.)

G.S.R. 660(E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on saltpetre falling within Chapter 25 or Chapter 28 or Chapter 38 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), was not being levied under the said section 3, during the period commencing on the 28th day of February, 1986 and ending with the 5th day of October, 1988;

And, whereas, the special duty of excise on such saltpetre was also not being levied under the relevant law relating to the levy of such duty during the period aforesaid;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the first-mentioned Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise and the special duty of excise payable under the first-mentioned Act, or as the case may be, under the said law on such saltpetre, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such saltpetre, on which the said duty of excise and the special duty of excise were not being levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 107/6/88-CX 3]

S. C. JANA, Under Secy.